ओम पर्वत से पहली बार बर्फ लुप्त

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इतिहास में पहली बार **उत्तराखंड के ओम पर्वत** से बर्फ लुप्त हो गई है, जिससे **पर्यावरणविदों** में गहरी चिंता उत्पन्न हो गई है।

प्रमुख बिंदु

- वशिषज्ञों ने इस अभूतपूर्व घटना के लिये मुख्य रूप से पिछले पाँच वर्षों में ऊपरी **हिमालयी क्षेत्र** में हुई कम वर्षा और छिटपुट बर्फबारी को ज़िम्मेदार ठहराया है
- **वर्षा में उल्लेखनीय गिरावट ने सीधे तौर पर ओम पर्वत पर बर्फ के आवरण को कम करने में योगदान** दिया है। इसके अतिरिक्त वाहनों से होने वाले **प्रदूषण** में वृद्धि तथा **ग्लोबल वार्मिंग** के प्रभावों ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया है।
    - इस घटना के प्रभाव से क्षेत्र के **पर्यटन उद्योग** पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है।
- ओम पर्वत से बर्फ का लुप्त होना **जलवायु परिवर्तन** के व्यापक प्रभाव का स्पष्ट संकेत है।
    - हिमालय क्षेत्र, जो अपने नाज़ुक पारिस्थितिकी तंत्र के लिये जाना जाता है, **तापमान और वर्षा पैटर्न में परिवर्तन के लिये विशेष रूप से अतिसंवेदनशील है**
    - वैश्विक तापमान में वृद्धि ने **ग्लेशियर पिघलने और बर्फबारी में कमी** को बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता तथा जल संसाधन प्रभावित हो रहे हैं।
- क्षेत्र में **जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के प्रयासों** में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करना, **वनाग्नि को नियंत्रित करना तथा सतत् पर्यटन पद्धतियों को बढ़ावा देना, जैसे उपाय शामिल होने चाहिये।**
    - **पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों** **की वहन क्षमता** का आकलन करने तथा **वाहनों की गतिविधियों पर कड़े नियम लागू** करने से हिमालय की प्राकृतिक सुन्दरता और पारिस्थितिक अखंडता को संरक्षित करने में सहायता मिल सकती है।

//

ओम पर्वत

- यह उत्तराखंड के **पिथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी** में लगभग 14,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित है
- यह अपनी बर्फ से ढकी चोटी के लिये प्रसिद्ध है, **जो स्वाभाविक रूप से हिदू प्रतीक "ओम" जैसा पैटर्न बनाती है**
- इस अनूठी विशेषता ने इसे **पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के बीच एक लोकप्रिय गंतव्य बना दिया है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/no-snow-on-om-parvat